Ex-Tra an Organisation

(Experimental Theatre in Realistic Attitude)

Annual Report April-2014 - March-2015

&

Action Plan 2015-16

ANNUAL REPORT &

Working and correspondence Address: C/O Ajeet Bahadur, 950/625, Mutthiganj, Allahabad, Uttar Pradesh-211003

Mo: +91 8127254051, +91 9452401478, +91 9695907532

E-mail: extraanorganization@yahoo.com , https://extranorg.wordpress.com

अनुक्रम

संस्था परिचय	3
दृष्टिकोण	4
लक्ष्य एवं उद्देश्य	5
कार्यनीतियाँ एवं वर्ष 2013 -14 में हुए कार्यों का संक्षिप्त परिचय	6
वर्ष 2014-15 कि योजना का संक्षिप्त परिचय एवं 2015-16 कि एक्शन योजना	7
अप्रैल – जून 2014-15	8-13
जुलाई – सितम्बर 2014-15	14-16
अक्टोबर –दिसम्बर 2014-15	17-21
जनवरी –मार्च 2015	22-24
वर्ष 2014- 2015 का मूल्यांकन एवं 2015-2016 कि एक्शन योजना (ppt)	25-43

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन

(एक्सपेरिमेंटल थिएटर इन रियलिस्टिक एट्टीट्यूड)

परिचय :

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन (एक्सपेरिमेंटल थिएटर इन रियलिस्टिक एट्टीट्यूड) की नींव कई वर्षों के सघन चर्चा एवं विचारों के संघर्षों से गुज़रते हुए सन 2002 के 23 जनवरी को कलकत्ता में रखी गयी । संस्था की नींव कि सिचाई में कला एवं रंगमंच कार्यकर्ता, रिक्शा चालक रंगकर्मी साथी –इलाहाबाद, बूट मरम्मत कर्ता रंगकर्मी साथी-कोलकाता एवं रवीद्र भारती विश्वविध्यालय –कोलकाता और भारतेन्दु नाट्य एकेडमी-लखनऊ में अध्ययनरत छात्र रहे हैं । संस्था में शुरू से ही विविध प्रतिभाओं का स्थान रहा है। एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन (एक्सपेरिमेंटल थिएटर इन रियलिस्टिक एट्टीट्यूड) अपने विज़न *"संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में रंगमंच कला क्रिया का विस्तार"* की संकल्पना के साथ वचनबद्ध रहा है ।

संस्था अपने विज़न की ओर बढने और इसकी प्राप्ति के लिए कला और संस्कृतियों की विविधिता से आभूषित भारत के पारंपरिक कला और यहाँ की संस्कृतियों के आधार पर रंगमंच के नए सौंदर्यशात्रीय प्रतिमान रचने में इसके शोध और खोज में लगातार व्यस्त रहता आ रहा है । इस रंगमंचीय प्रतिमान को समाज में स्थापित करने के लिए हम निरंतर हमारी प्रक्रियामयी प्रस्तुतियों से दर्शक और अभिनेता के बीच की दूरियों को लगातार कम करने की कोशिश में हैं । क्योंकि हमें ऐसा लगता है कि किसी नाटक का उत्पाद मात्र से नहीं बल्कि नाटक और रंगमंच के अंदर व्याप्त जीवन मुखी शाश्वत प्रक्रियाएँ हमें हमारे विज़न *"संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में रंगमंच कला क्रिया का विस्तार"* तक पहुंचा सकेंगी ।

संस्था के मुख्य नाटक जिनकी प्रस्तुति अंतर्राष्ट्रीय महोत्सवों में हुई हैं, जैसे सर्वेश्वर दयाल सक्सेना द्वारा लिखित 'हवालात' का मंचन राष्ट्रीय नाट्य विध्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव -2009, अंतोन चेखोव द्वारा लिखित कहानी 'टेढ़ा दर्पण' का मंचन राष्ट्रीय नाट्य विध्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव -2010 तथा नेशनल थिएटर फेस्टिवल-केरला -2010 में, एवं धर्मवीर भारती द्वारा लिखित उपन्यास 'सूरज का सातवाँ घोडा' का मंचन राष्ट्रीय नाट्य विध्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव -2011 दिल्ली एवं चेन्नई भारत रंग महोत्सव में हुए हैं । इसके साथ ही साथ संस्था देश के अलग-अलग हिस्सों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश में रंगमंच की टोलियों का निर्माण और कार्य भी कर रही है । संस्था राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने हेतु नई दिल्ली से सन् 2007 के 27 दिसम्बर को एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन' के नाम से रजिस्टर किया गया है ।

दृष्टिकोण :

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन का यह मानना है कि भारत की पारंपरिक रंगमंच एवं लोक शैलियों का शोध कर नए अभिनय शैलियों और नाट्य शैलियों के साथ नए सौदर्यशास्त्रीय प्रक्रियाओं का निर्माण करना । यह सौदर्य शास्त्रीय प्रतिमान हमारे विज़न की प्राप्ति का निर्मित होता मार्ग है । इस मार्ग के निर्माण के लिए राष्ट्रीय और इच्छुक अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और रंगकर्मियों तक हमें अपने प्रक्रिया रंगमंच विधियों के साथ पहुँचना और इनका प्रस्तुति परक प्रसार । इस प्रसार के लिए हम अलग –अलग राज्यों के नाट्य एवं कला दलों तथा पारंपरिक संगीत टोलियों तक पहुँच रहे हैं जैसे : बीकानेर, राजस्थान में जन जागृति संस्था जो की एक नाट्य संस्था है , पश्चिम बंगाल के हुगली में आर्ट फ़ाउंडेशन ऑफ द एरा एवं जयपुर के दृश्य कला समूह अरविद स्टुडियो,सोडाला तथा बीकानेर के सुफी संगीत गायकों के साथ मिल कर हम अपने विज़न को साझा कर रहे हैं, ताकि हम सब के इस विज़न *"संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में रंगमंच कला क्रिया का विस्तार"* के गठन की यात्रा में कला अपने कार्यवाहकों के साथ क्रियात्मक आएं ।

लक्ष्य

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन अपने विज़न *"संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में रंगमंच कला क्रिया का विस्तार"* कि प्राप्ति के लिए निम्न लक्ष्यों की ओर बढ़ रही है जो की इस प्रकार हैं । विज़न के अनुरूप एक ऐसा रूप विषयक (मॉडल) सामुदायिक स्तर पर "बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम" का निर्माण आगामी 2020 तक करना चाहती है । संवेदनशील ,लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निरंतर निर्माण के लिए जहां रंगमंच कला में निरंतर प्रयोग और उनका स्थापन होता रहेगा। इसके लिए भावी वर्तमान और आगंतुक पीढ़ियों के साथ इस प्रक्रिया का स्थापन हमें अतिआवश्यक महसुस होता रहा है । लक्ष्यों के कुछ निम्न बिन्दु इस प्रकार हैं:

- सामुदायिक स्तर पर "बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम" का निर्माण के लिए बंजर भू-खंड खोजना और स्थानीय अथवा राज्य स्तरीय प्रशासनों से चर्चा करना ।
- सामुदायिक स्तर पर "बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम" का निर्माण करना ।
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहूद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम के निर्माण के लिए चर्चाएँ चलाना ।
- "बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम" मॉडल के स्थापना के साथ ही साथ इसका सामुदायिक स्तर पर अन्य राज्यों में विस्तार करना ।

उद्देश्य

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन अपने विज़न तक पहुँचने के लिए जो भी लक्ष्य रूपी मार्ग तैयार कर रहा है । उसके लिए रंगमंच कला के क्षेत्र में निम्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्यरत है ।

- स्थानीय एवं अन्य राज्यीय कला एवं रंगकर्मियों तक पहुँचना ।
- अंतर्राष्ट्रीय रंगकर्मियों से निरंतर संवाद एवं अपने रंग-विधियों एवं विचारों पर साझा समझ बनाना ।
- नाट्य प्रक्रिया कार्यशालाओं के तहत स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर रंगकर्मियों का निर्माण करना ।
- ज़्यादा से ज़्यादा दर्शकों तक पहुँचना और उनकी वैचारिक भागीदारी सुनिश्चित करना ।

कार्यनीतियां :

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन अपने विज़न के लिए जो भी लक्ष्य रूपी मार्ग तैयार कर रहा है ।

उसके लिए रंगमंच के क्षेत्र में उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निम्न कार्यनीतियों पर कार्यरत है :

- संस्था के नाट्य प्रक्रिया प्रस्तुतियों का निर्माण उभर रहे निर्देशकों के द्वारा
- नाट्य उत्सवों में भागीदारी
- नाट्य उत्सवों का आयोजन
- नाट्य प्रक्रिया कार्यशालाएँ
- दर्शक-अभिनेता संवाद
- रंगमंच एवं समाज पर स्थानीय वाकपीठों का आयोजन
- "रंगमंच कला कि अस्मिताएँ" मुद्दे पर चरणवार सम्मेलन

वर्ष 2013-14 में हुए कार्यों का संक्षिप्त विवरण (अप्रैल-2013-मार्च -2014)

अप्रैल-2013 से मार्च -2014 में संस्था ***मुख्य रूप से दो नए नाटकों का निर्माण किया गया ।*** जिसमें नाटक डैडलॉक को निर्माणिक कार्यशाला के तहत तैयार कर कई उत्सवों के लिए आवेदन किया गया। दूसरे नाटक पुनर्जन्म कि तैयारी कि गयी। **इसी के साथ इटली से आई हुई संस्था के सदस्यों के साथ संस्था ने नाटक एंटीगोनी पर इम्प्रोवाइज़ पर कार्य किया।** संस्था के आस-पास के **बच्चों कि रंगटोली बनाने हेतु प्रयास किया गया।** जिसका निरंतर अभ्यास व प्रस्तुतियाँ संस्था के अभ्यास स्थल पर होता रहा है ।

माह **अक्टोबर में संस्कृति मंत्रालय के मिनट्स से सूचना मिली कि संस्था का चयन 5 कलाकारों व 1 गुरु के साथ सैलरी ग्रांट में किया गया है ।** इस सूचना का काफी ऊर्जामयी प्रभाव संस्था के सदस्यों में देखने को मिला । **आशुतोष पोद्दार के मराठी नाटक "पुलाखाल्चा बोम्ब्ल्या मारुति" का हिन्दी अनुवाद शुरू किया गया है एवं आगामी इस नाटक कि तैयारी फ्लेम कैम्पस –पुणे व इलाहाबाद तय किया जाना है** पर चर्चा अभी प्रक्रिया में है ।

(2013-14 का विगत वर्ष में प्रकाशित रिपोर्ट से अंश)

वर्ष 2014-15 कि योजना का संक्षिप्त परिचय (अप्रैल-2014-मार्च -2015)

इस बार के वार्षिक कलेंडर में हम मुख्य रूप से चार हाई इंटेन्सिटी कार्यक्रम को योजना में रख पाये हैं। **इस योजना में तीन नए नाटको का निर्माण, प्रस्तुति व नाट्य उत्सव का आयोजन शामिल है ।** जिसमें से नाटक –"डैडलॉक सीक्रेट" का नाट्य निर्माण एवं इलाहाबाद और राजस्थान में प्रस्तुति। कोइवल्य प्लेस के साथ तत्वाधान में दिल्ली के हाबीटाट सेंटर में उदय प्रकाश की बहुचर्चित "राम सजीवन की प्रेमकथा" का श्रुति नाट्य मंचन । जवाहर कला केंद्र,जयपुर के तत्वाधान में पीयूष मिश्रा द्वारा लिखित नाटक "गगन दमामा बाज्यो" की प्रस्तुति रंगायन प्रेक्षागृह जयपुर –राजस्थान में किया गया । **इस वर्ष सितम्बर माह में संस्था को संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा 5 कलाकारों और एक गुरु कि सैलरी ग्रांट की पहली किश्त भी प्राप्त हुई जो चार माह के रूप में अप्रैल –जुलाई तक का मानदेय सौंप दिया गया ।**

संस्था सदस्यों के क्षमतावर्धन हेतु प्रथम चरण के लिए कलकत्ता में मूकाभिनय कि लंबी कार्यशाला के आयोजन में प्रतिभागी के रूप में भेजा गया । इससे संस्था के आगामी प्रक्रियात्मक प्रस्तुतियों में सदस्यों द्वारा उनकी प्रतिभा का उपयोग एवं प्रयोग हो पाएगा । *(विस्तृत रिपोर्ट नीचे के पन्नो में साझा किया गया है।)*

वर्ष 2015-16 एक्शन योजना का संक्षिप्त परिचय (अप्रैल-2015-मार्च -2016)

संस्था सदस्यों कि क्षमता वर्धन हेतु समकालीन रंगमंचीय मुद्दों खास कर "रंगमच कि अस्मिताएँ", एवं "अभिनय कि कला" पर चितन, विवेचन व शैक्षणिक कार्यों को विस्तार रूप देगी । ***इसी क्रम में संस्था तीन नए नाटकों का निर्माण कर देश के विभिन्न हिस्सों में इनकी प्रस्तुति करेगी । एवं संगोष्ठी सह नाट्य उत्सवों का सिलसिले वार सैटेलाइट आयोजन भी कर रही होगी।*** इस नाट्य उत्सव में होने वाले संगोष्ठी हेतु अनुदान सहायता के लिए इंडिया फ़ाउंडेशन फॉर दि आर्ट्स, बेंगलोर के और संस्कृति मंत्रालय के समक्ष आवेदन कर रही होगी ।

संस्था के सदस्यों कि संख्या बढ़ाने हेतु संस्कृति मंत्रालय विगत अनुभवों का दस्तावेज़ सह अन्य लेखा दस्तावेजों का संलग्नक भेज रही होगी ।

(वर्ष 2015-16 के एक्शन योजना कि ppt प्रस्तुति का अंश

2014-15

अप्रैल – जून

डैडलॉक सीक्रेट - नाट्य निर्माण एवं प्रस्तुति

नाटक डैडलॉक के जयपुर, राष्ट्रिय नाट्य विद्यालय –नई दिल्ली, इलाहाबाद एवं टोंक में हुई प्रस्तुतियों के पश्चात दर्शकों के नाट्य परख सुझाव एवं नाट्य प्रस्तुति समूह के विचार से डैडलॉक के अगले चरण की नाट्य निर्माण प्रक्रिया चलायी गयी । इस निर्माणिक प्रक्रिया को तीन माह के लिए बनाई गयी थी । माह अप्रैल, मई और जून में इसका नाट्य निर्माण किया गया । इस नाट्य निर्माण का शीर्षक "डैडलॉक सीक्रेट" रखा गया । इस नाट्य निर्माण में प्रक्रिया के संभागी दीपक कुमार (इलाहाबाद), रायना (इलाहाबाद), नटराज (नई दिल्ली), अरविद जोधा (जयपुर), अंजली शेखावत (जयपुर) एवं विरभान (मध्य प्रदेश) आदि रहे हैं । इस समूचे नाट्य निर्माण प्रक्रिया के संदर्भ व्यक्ति (फेसिलिटेटर) राजकुमार रजक (इलाहाबाद) हैं ।

निर्माण प्रक्रिया :

डैडलॉक सीक्रेट नाट्य प्रस्तुति संस्था की अब तक की सबसे लंबी चलने वाली नाट्य प्रस्तुति रही हैं । यह प्रक्रिया अजीत बहादुर के पर्यवेक्षण में संभागियों एवं संदर्भ व्यक्ति को नाट्य एवं सौंदर्यशास्त्रीय सैद्धांतिक विचारो से अवगत होने का लाभ प्राप्त हुआ है ।

इस नाट्य निर्माण की प्रस्तुति में समकालीन सामाजिक और बाज़ारिक मनः स्थिति में हम एवं हमारी अस्मिताएँ कैसे एक-दूसरे से विछिन्न हो मस्तक विहीन प्राणी में हम तब्दील होते जा रहे हैं । जहां हमारी आत्म स्वायत्ता निष्क्रिय हो हमें कर्म कांड के अंधेरे रसातल में डुबोती जा रही हैं। इस निम्न विषयवस्तु पर कार्य के लिए संभागियों ने इसके नाट्य आलेख के रूप में अपने अनुभवो के आधार पर स्व रचित कविताओं एवं संवादों का प्रयोग किया गया । इस स्वरचित रचनाओं के आधार पर नाटक डैडलॉक सीक्रेट का निर्माण संभव हो सका है । नाट्य निर्माण के लिए सामाजिक एवं मानव विकास के सिद्धांतों पर उपयोग में आए हुए लेख एवं विचारों की सूची निम्न है:

- **Alvin Toffler**
  Power Shift:
  Knowledge. Wealth, and Violence at the Edge of the 21st Century
  (Bantam Books, 1990, ISBN 0-553-05776-6)

- **Kant's Aesthetics and Teleology**
  First published Sat Jul 2, 2005; substantive revision Wed Feb 13, 2013
  http://plato.stanford.edu/entries/kant-aesthetics/

- **G. PLEKHANOV**
  On the question of the individual's role in history, George Plekhanov, Selected Philosophical Works, In Five Volumes, Volume II, Page 283-315, 690-691

- **The Two Faces of Deweyan Pragmatism: Inductionism versus Social Constructivism**
  RICHARD S. PRAWAT
  Michigan State University

- **The Semiotics of Performance**
  MARCO DE MARINIS, Translated by Aine O Heal,
  Indiana University Press

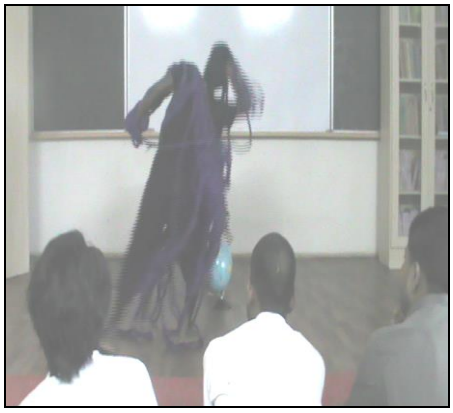

इस निर्माणिक प्रक्रिया को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा गया है । पहला कि नाट्य विषयवस्तु का निर्माण, दूसरा -विषयवस्तु के आधार पर अभिनय शैली का चयन एवं अभ्यास और तीसरा – इंप्रोवाइज्ड दृश्यों को क्रमवार अभ्यास एवं डेमो प्रस्तुति उपस्थित दर्शकों के समक्ष ताकि नाट्य प्रक्रिया एवं निर्माण को क्रिटिकलि विश्लेषित किया जा सके ।

इन प्रक्रियाओं से होते हुए नाटक डैडलॉक सीक्रेट का निर्माण किया गया है । इस नाटक कि प्रथम प्रस्तुति संस्था के स्वयं के पूर्वाभ्यास स्थल (मुट्ठिगंज, इलाहाबाद) पर किया गया । इसी क्रम में इस डैडलॉक सीक्रेट कि प्रस्तुति टोंक –राजस्थान में भी कि गयी।

प्रस्तुति विवरण :

क्रम	नाटक	स्थान	दिनांक
1	डैडलॉक सीक्रेट	मुट्ठिगंज, इलाहाबाद	28 जून -2014
2	डैडलॉक सीक्रेट	अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन, टोंक –राजस्थान	18 अगस्त -2014
3	डैडलॉक सीक्रेट	मुट्ठिगंज, इलाहाबाद	3 सितम्बर -2014

डैडलॉक सीक्रेट के विडियो क्लिप्स को यूट्यूब https://www.youtube.com/watch?v=dX0erJVOVEg पर देखा जा सकता हैं ।

*अभिनाया नेशनल थिएटर फेस्टिवल -2015 हेतु नाटक डैडलॉक सीक्रेट का आवेदन प्रेषित किया गया है । **

डैडलॉक सीक्रेट-नाट्य निर्माण लागत

ए						मानदेय
क्रम	सामग्री / शीर्षक	विवरण	संख्या	माह / दिन	माह / दिन वार राशि	रुपये
1	दीपक कुमार (इलाहाबाद)	अभिनेता (गेस्ट)	1	3	6000	18000
					कुल राशि	*18000*
बी						*खाद्य सामग्री*
1	अभिनेता	संभागी	6	90	60	32000
2	फेसिलिटेटर	नाट्य निर्माण संदर्भ व्यक्ति	1	90	60	5400
3	पर्यवेक्षक	नाट्य निर्माण सहायक	1	90	60	5400
					कुल राशि	42800
सी						*नाट्य सामाग्री*
1	कॉस्ट्यूम	-	6	-	-	8000
2	मंच उपयोगी	सेट	-	-	-	5510
					कुल राशि	*13510*
डी						*समूह यात्रा*
1	नाट्य समूह		8	-		8300
					कुल राशि	*8300*
इ						*ब्रोसर और दस्तावेज़ (फोटो ,विडियो एवं रिपोर्ट)*
1	ब्रोसर		100	-		200
2	दस्तावेज़		-	-		400
					कुल राशि	*600*
					कुल : ए +बी +सी +डी +इ	83210

डैडलॉक सीक्रेट-नाट्य निर्माण हेतु प्राप्त सहायक राशि योगदान

क्रम	सहायक	संख्या	सहायता प्रकार	सहायता राशि
1	संस्था सदस्य	16	संस्था मैम्बरशिप एवं स्वैच्छिक सहायता	24000
2	संस्था	1	संस्था नाट्य निर्माण राशि	20000
3	संस्था के शुभ चिंतकों एवं दर्शकों से योगदान	30	कार्य सहायता राशि	13000
4	नाट्य निर्माण फेसिलिटेटर	1	स्वैच्छिक सहायता	14000
5	संस्था अध्यक्ष	1	स्वैच्छिक सहायता	12210
कुल सहायता प्राप्त राशि				**83210**

2014-15

जुलाई – सितम्बर

संस्था के अभिनेता समूह कि क्षमतावर्धन कार्यशाला का प्रथम चरण इस वर्ष कोलकाता, पश्चिम बंगाल में मूकाभिनय पर हुई । क्षमतावर्धन की यह कार्यशाला जुलाई -3, 2014 से आरंभ हो अगस्त- 8, 2014 तक चली । इस कार्यशाला में संस्था के सदस्यों ने हिस्सा लिया एवं इस कार्यशाला के प्रशिक्षक सुकमल मित्रा एवं उद्दालोक पाल जी रहे हैं । इस कार्यशाला के अंतिम दिन प्रतिभागी समूह ने अपने प्रशिक्षित विधा पर इंप्रोवाइजेशन किया ।

कलकत्ता में संस्था के सदस्यों के रुकने के लिए संस्था सदस्य रायना ने अपने मित्र एवं रिशतेदारों से अनुरोध कर लिया था । यह हमारे लिए बहुत ही अच्छा अवसर रहा और कम बजट में हम अपने संस्था के सदस्यों के इस वर्ष के प्रथम चरण का क्षमतावर्धन कार्यशाला में हिस्सेदारी करवा पाये । कार्यशाला के प्रशिक्षक भी अपने प्रशिक्षण मेहनताना को संस्था के पक्ष में संस्था की बेहतरी के लिए इसको संभागियों के बाकी के जैसे नाश्ता-लंच –डिनर पर खर्च किए । ठीक ऐसे ही संस्था के सदस्यों ने एक तरफ के गाड़ी –भाड़े को स्वयं वहन किया । यह कार्यशाला इस बार सभी के सहयोग से सफल रही है ।

संस्था के सदस्यों की क्षमतावर्धन कार्यशाल में लागत राशि

ए						यात्रा खर्च	सहयोग के द्वारा
क्रम	सामग्री / शीर्षक	विवरण	संख्या	माह / दिन	माह / दिन वार राशि	रुपये	
1	कार्यशाल प्रतिभागी	मूकाभिनय कार्यशाला – कलकत्ता, यात्रा इलाहाबाद से कलकत्ता	6	1 माह 5 दिन	1x6x700	4200	संस्था सदस्यों के द्वारा सहयोग
2	कार्यशाल प्रतिभागी	मूकाभिनय कार्यशाला – कलकत्ता, यात्रा कलकत्ता से इलाहाबाद वापसी	6	1 माह 5 दिन	1x6x800	4800	संस्था के द्वारा
3	प्रशिक्षक	प्रशिक्षक राशि	2	1	1x2 x 6000	12000	संस्था के द्वारा
					कुल राशि	*21000*	

डैडलॉक सीक्रेट की प्रस्तुति –अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन , टोंक -राजस्थान

नाटक डैडलॉक सीक्रेट की आमंत्रित प्रस्तुति अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन –टोंक –राजस्थान के जिला पुस्तकालय में दिनांक 18 अगस्त -2014 को हुई । इस प्रस्तुति में दर्शक के रूप में टोंक जिले के कई शिक्षाकर्मी उपस्थित रहे । प्रस्तुति के पश्चात उपस्थित दर्शकों से नाट्य प्रस्तुति एवं इस नाटक के निर्माणिक प्रक्रिया पर काफी लंबी चर्चा-परिचर्चा हुई । इस चर्चा से नाट्य प्रस्तुति समूह को काफी सुझाव भी मिले इस प्रक्रिया को और भी मजबूत बनाने हेतु ।

नाट्य प्रस्तुति एवं चर्चा के पश्चात दर्शकों से सहयोग राशि एकत्र की गयी । उपस्थित दर्शकों से कुल 7300 की सहयोगी राशि प्राप्त की गयी ।

संस्कृति मंत्रालय –भारत सरकार से संस्था को सैलरी ग्रांट कि प्रथम किश्त प्राप्त हुई

संस्कृति मंत्रालय-भारत सकरार के परफोर्मिंग आर्ट्स विभाग से संस्था एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन ने संस्था के कलाकारों एवं गुरु हेतु सैलरी ग्रांट के लिए आवेदन किया था । इस आवेदन के चयन जिसमें 5 कलाकार और 1 गुरु कि सैलरी कि स्वीकृति है कि सूचना संस्कृति मंत्रालय के वेबसाइट पर उपलब्ध मीटिंग मिनट्स जो कि इस शीर्षक से है :

No.F.10-01/2012-P.Arts (Pt.), Ministry of Culture, P. Arts Section, Minutes of the Meeting of the Expert Committee held on 14th, 15th, 17th and 18th October, 2013 under the Performing Arts Grants Scheme (PAGS)

से मालूम हुआ था । एवं इस सैलरी ग्रांट कि प्रथम किश्त संस्था के बैंक खाते में दिनांक 1 सितम्बर-2014 को संस्कृति मंत्रालय द्वारा जमा कारवाई गयी । यह जमा कारवाई गयी राशि एक लाख साठ हज़ार (160000) है एवं जमा होने का निम्न बैंक गत विवरण है:

Grant Deposit Details from Culture Ministry Govt. of India

1/09/2014 By TRF : 160000
Ministry E Payments
TRN-P14090172475619
TRF from 00811430134

एवं एक गुरु को चार-चार माह के तौर पर यह राशि सौंप चुकी है । जिसका विवरण निम्न है :

We 'Ex-tra an Organisation', Allahabad, Uttar Pradesh received the sanction grant 160000 (One lakh sixty thousand only) for meeting the cost of salary of 5 Artist and 1 Guru for the period 1.12.2013 to 31.3.14 as per break up below.

Sl	Name	Sex	Category	Months	Month	Amount	Status
1	Ajeet Bahadur	M	Guru	4	April-July	10000x4 = 40000	Received
2	Raina Raha	F	Artist	4	April-July	6000x4=24000	Received
3	Natraj Hasrat	M	Artist	4	April-July	6000x4=24000	Received
4	Veerbhan	M	Artist	4	April-July	6000x4=24000	Received
5	Anjali Shekhawat	F	Artist	4	April-July	6000x4=24000	Received
6	Arvind Jodha	M	Artist	4	April-July	6000x4=24000	Received
Grand Total						160000 (One lakh sixty thousand only)	

संस्कृति मंत्रालय से प्राप्त इस राशि के डिस्ट्रिब्यूशन का संस्था ने चार्टेड अकाउंटेंट से युटिलाइज़ेशन सर्टिफिकेट प्राप्त कर लिया गया है ।

November 21st 2014 at 7:00pm in the Amaltas Hall, Habitat World, India Habitat Centre

The entry in the calendar read as:
7:00pm|TALK|Dramatized reading of Uday Prakash's ***Ramsajeevan Ki Premkatha Dir.NatrajHasrat.***
Narrators: Bhaskar Jha, Mohit Tiwari & Natraj Hasrat. Ramsajeevan, the hero of this love story, is like any other young person in love and his story may even read straight out of a romantic melodrama thwarted by class differences. But there is more than meets the eye. Ramsajeevan, it turns out, is not the usual hero at all, and the projected love story is actually an allusion; a device to underscore one of India's grimmest socio-political realities. In Ramsajeevan's unrequited love, lies the greater story of India's gaping class divide, further exacerbated by the hegemony of caste. **Collab:** Kaivalya Plays with Ex-tra an Organization-Allahabad.

नाटक

रामसजीवन की प्रेमकथा

का मंचन

संस्था कि यह पहली प्रस्तुति होगी जिसमें श्रुति नाट्य प्रक्रिया का प्रयोग कर संस्था के सदस्य, अभिनेता एवं सचिव नटराज हसरत ने उदय प्रकाश कि बहुचर्चित "रामसजीवन कि प्रेमकथा" के मंचन को रूपायित किया ।

यह श्रुति नाट्य प्रस्तुति कि प्रक्रिया अक्टोबर एवं नवम्बर तक लगभग 55-60 दिन कि रही है । इस श्रुति नाट्य प्रस्तुति में नटराज हसरत ने दिल्ली के स्वैच्छिक अभिनेताओं के साथ संस्था के सदस्य अभिनेता को एक साथ एक मंच पर लाकर इस प्रक्रिया का प्रयोग किया । जिसकी पहली प्रस्तुति 21नवम्बर - 2014 को अमल्तस हॉल, हाबीटाट वर्ल्ड, इंडिया हाबीटाट सेंटर, नई दिल्ली में हुआ ।

यह पहली बार हि है की संस्था यहाँ प्रस्तुति कर रही है एवं संस्था के लिए यह बहुत ऊर्जामयी साबित हुआ है ।

नाटक : रामसजीवन की प्रेमकथा के मंचन की लागत

ए						मानदेय एवं	सहयोग के द्वारा
क्रम	सामग्री / शीर्षक	विवरण	संख्या	माह / दिन	माह / दिन वार राशि	रुपये	
1	अभिनेता (नई दिल्ली)	प्रस्तुति मानदेय	4	2	1x3500x4x2	28000	संस्था के स्वयं सहयोग के द्वारा
2	पोस्टर	प्रस्तुति हेतु	1	-	-	400	संस्था के स्वयं सहयोग के द्वारा
					कुल राशि	28400	

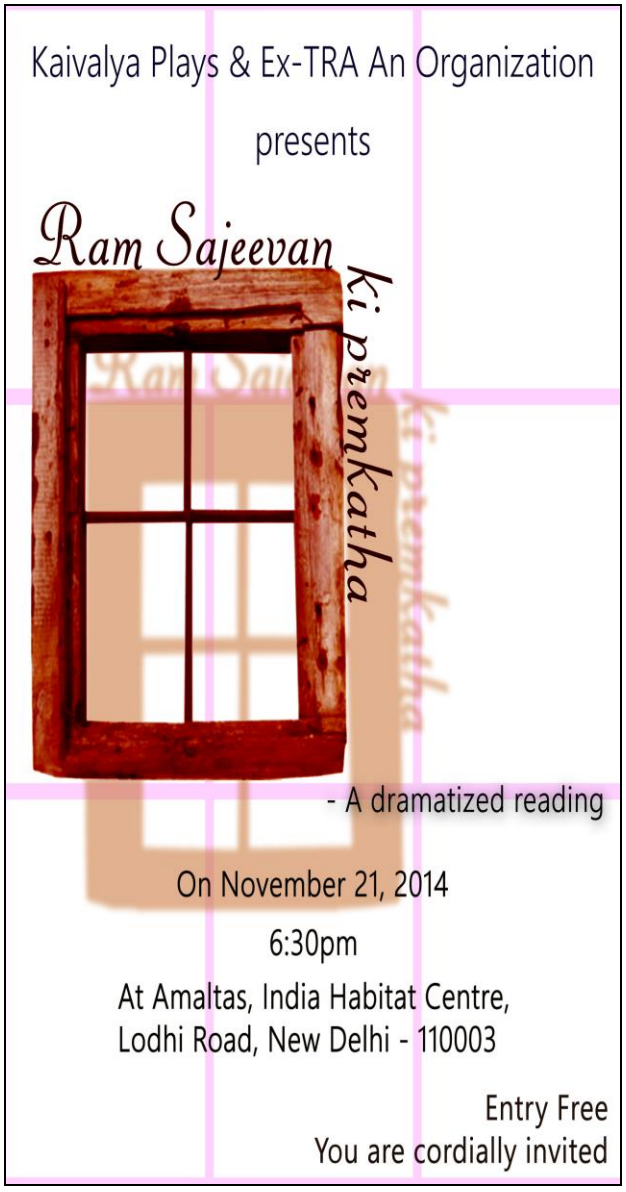

नाटक गगन दमामा बाज्यो का निर्माण, प्रस्तुति एवं जवाहर कला केंद्र से तत्वधानिक सहयोग

संस्था कुछ वर्षों से समय –समय पर संस्था से बाहर के नाट्य निर्देशकों को नाट्य निर्माण हेतु आमंत्रित करती है। इसी क्रम में संस्था ने इस बार जयपुर के प्रसिद्ध रंगकर्मी अभिषेक गोस्वामी को नाटक 'गगन दमामा बाज्यो' (लेखक – पीयूष मिश्रा) के निर्देशन के लिए आमंत्रित कर चुकी हैं ।

इस नाट्य निर्माण की प्रक्रिया तीन माह तक चली । इस नाट्य निर्माण को जयपुर शहर के अभिनेताओं एवं संस्था के सदस्य अभिनेताओं को एक साथ एक मंच पर लाकर किया गया। इस नाट्य निर्माण में जयपुर से 24 अभिनेता एवं संस्था के 8 अभिनेताओं ने अपनी प्रतिभा के अनुभव को इस नाट्य प्रक्रिया के माध्यम से और भी निखारा है । इस कार्यशाला आधारित नाटक का पूरा अभ्यास जयपुर के जवाहर काला केंद्र के प्रांगण में किया गया एवं समय-समय पर जयपुर के कई साहित्यकारों, आलोचकों जैसे मोहन सतरिया को अभिनेताओं से नाट्य विषयवस्तु संबंधी चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया गया। इन चल रहे प्रक्रियाओं के समय यह बात भी चली की अगर इस नाट्य प्रस्तुति को जवाहर कला केंद्र के साथ जोड़ लिया जाए तो इस प्रस्तुति को दर्शक एवं सुझाव मिलने के और भी ज़्यादा आसार खुलते हैं एवं बड़ी संख्या में दर्शक इस नाटक से रूबरू भी हो सकते है । जब संस्था ने इस प्रस्ताव को जवाहर कला केंद्र के कार्यालय में विस्तार से रखा तब जवाहर कला केंद्र , जयपुर-राजस्थान ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर संस्था के द्वारा हो रही गगन दमामा बाज्यो कि इस प्रस्तुति के साथ तत्वधानिक भूमिका में उपस्थित होने के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी ।

नाटक 'गगन दमामा बाज्यो' के दूसरे दिन का शो

आधुनिक संदर्भों में देखा गुरुवाणी का संदेश

सिटी रिपोर्टर ▶ **जयपुर**

जवाहर कला केंद्र के मंच पर मंगलवार को गुरुवाणी के संदेश को आधुनिक संदर्भों में देखने की रंगदर्पियों ने बेहतरीन कोशिश की। मौका था पीयूष मिश्रा लिखित और वरिष्ठ रंगकर्मी अभिषेक गोस्वामी निर्देशित नाटक 'गगन दमामा बाज्यो' के दूसरे दिन के शो का। अभिषेक ने बताया कि 'गगन दमामा बाज्यो' गुरुवाणी का शब्द है जिसका गुरुवाणी में धार्मिक शहादत के प्रसंगों में उल्लेख मिलता है। इसका अर्थ है अभी शुरू हो जा कल की किसने देखी। इसमें एक ओर धर्म, जाति, वर्ण, क्षेत्र, भाषा और संस्कृति के नाम पर दुनिया में हो रहे आम जनता के साथ अमानवीय बरताव और उससे उपजे दम-घोंटू माहौल को दिखाया गया तो दूसरी ओर वर्तमान सामाजिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन की भी पैरवी की गई है।

नाटक से मिला संदेश

यदि समय रहते वर्तमान सामाजिक ढांचे में परिवर्तन के बारे में नहीं सोचा गया तो भविष्य में स्थिति और भी विकट होगी। इसीलिए अब इस इंकलाब को लाना ही होगा।

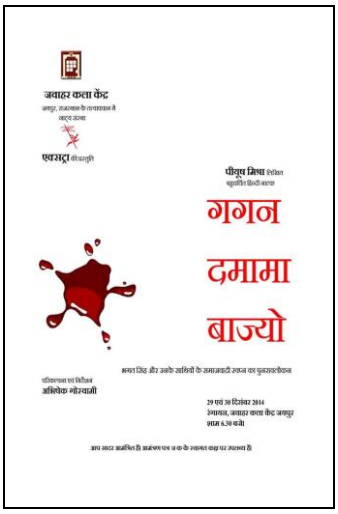

नाटक गगन दमामा बाज्यो, लेखक पीयूष मिश्रा एवं निर्देशक अभिषेक गोस्वामी (जयपुर) के इस नाट्य प्रस्तुति का जवाहर कला केंद्र , जयपुर –राजस्थान के तत्वधान में इसकी प्रस्तुति दिनांक 29 एवं 30 दिसम्बर-2014 को रंगायन प्रेक्षागृह में सायं 6.30 बजे रखा गया ।

दो दिवसीय इस प्रस्तुति क्रम में जयपुर के स्थानीय दर्शकों का आभार रहा जिन्होने नाट्य प्रस्तुति को खूब सराहा और और मूल्यवान सुझाव व प्रतिक्रिया भी संस्था से , अभिनेता समूह से एवं निर्देशक से साझा भी किया।

प्रस्तुति विवरण :

क्रम	नाटक	स्थान	दिनांक
1	गगन दमामा बाज्यो	रंगायन-जवाहर कला केंद्र , जयपुर	29 दिसम्बर -2014
2	गगन दमामा बाज्यो	रंगायन-जवाहर कला केंद्र , जयपुर	30 दिसम्बर -2014

नाटक गगन दमामा बाज्यो की अगली प्रस्तुति उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र , इलाहाबाद में करने हेतु योजना में है।*

नाटक गगन दमामा बाज्यो की नाट्य निर्माणिक प्रक्रिया की लागत

ए						*यात्रा मानदेय*	*सहयोग के द्वारा*
क्रम	सामग्री / शीर्षक	विवरण	संख्या	माह / दिन	माह / दिन वार राशि	रुपये	
1	अभिनेता (जयपुर)	स्थानीय यात्रा मानदेय	24	3	1x3000x24	72000	संस्था के स्वयं सहयोग के द्वारा
2	अभिनेता (इलाहाबाद)	इलाहाबाद से जयपुर यात्रा मानदेय	8	-	1x500x8	4000	संस्था के स्वयं सहयोग के द्वारा
3	अभिनेता (इलाहाबाद)	जयपुर से इलाहाबाद यात्रा मानदेय	8	-	1x500x8	4000	
					कुल राशि	*80000*	
बी							*पूर्वाभ्यास हाई टी* एवं भोजन
1	नाट्य निर्माण समूह	जयपुर	35	3	-	12000	संस्था के स्वयं एवं सदस्यों के द्वारा
2	अभिनेता (इलाहाबाद)	भोजन	8	3	-	16000	संस्था के स्वयं एवं सदस्यों के द्वारा
					कुल राशि	*28000*	
सी							*प्रिंट*
1	आमंत्रण पत्र	नाट्य प्रस्तुति के दिन वितरण हेतु एवं आमंत्रित करने हेतु	400		1x 3 x400	1200	
					कुल राशि	*1200*	
					ए +बी +सी = कुल राशि	*109200*	

2015

जनवरी –मार्च

इस तीन माह की प्रकृति ऊपर अंकित माहों से कत्तइ अलग सी नज़र से आती है । क्यूंकी इन माह में इस बार संस्था ने सैटेलाइट /क्रमवार थिएटर फेस्टिवल के लिए प्रोग्राम रत रही है । इसके साथ ही साथ पूरे वर्ष हुए कार्यक्रमों के दस्तावेजीकरण, अकाउंट समेकन इत्यादि प्राशशानिक कार्य भी जुड़े रहे हैं।

थिएटर फेस्टिवल से जुड़ी बातें

थिएटर फेस्टिवल केवल फेस्टिवल न होकर एक प्रक्रिया भी महसूस हो एवं संस्था के चितित चिताओं का एक क्रम भी उद्देश्य के साथ जुड़े को लेकर संस्था सदस्यों ने पूरे जनवरी माह एक लंबा और गहन अभ्यास किया । इस अभ्यास से प्राप्त थिएटर फेस्टिवल के उद्देश्य एवं प्राप्ति के लेख का हूबहू आंग्ल अनुवादित संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से है :

East-West Theatre Festival

Brief introduction

Ex-tra an Organization (Experimental Theatre in Realistic Attitude) is an arena for artistic research, performance and development on acting methods, aesthetics and performative approaches. The festival is organized by Ex-tra an Organization with title of East-West Theatre Festival (EWTF).

EWTF aims to raise emerging practice and its sharing about the arts of acting and performance, East-West part of nation where we working as theatre based organization. We wish for a flexible arena where different performers and professionals meet and exchange experiences, differences and practical knowledge, working on active research and discourse for innovation. We would like to bring together the best educators in the field, and explore the nature and future of the art of acting.

We would like to look closely into various artistic and pedagogical processes and methods, in order to make visible different forms about craft of acting aesthetics. We would like to problematize and discuss ethical and ideological challenges associated with the art of acting. The 2015 festival's theme is "Crafting Techniques and Methods."

EWTF takes place Kolkata (WB), Allahabad (UP), Jaipur (Raj) with one –one day's techniques and methods introductory workshops, conferences and debates in festival days.

EWTF panorama will start from Kolkata 21st -23rd March-2015 (We have booked already and extended it for October-2015, Niranjan Sadan, Jadhavpur-Kolkata), In Allahabad 25th -27th March-2015 and Jaipur 29th-31 March-2015.

उपर्युक्त इस लेख के साथ संस्था ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय-कला एवं रंगमंच संस्थाओं को इस थिएटर फेस्टिवल में लगने वाली लागत हेतु सहायता के लिए फरवरी माह में आवेदन किया गया था । कुछ संस्थाओं की प्रतिक्रिया के अनुसार इस फेस्टिवल की तिथि को आगामी साल के अक्टोबर तक बढ़ा दी गयी है । इंडिया फ़ाउंडेशन फॉर दि आर्ट्स, बेंगालूरू कि प्रतिक्रिया रही कि वो इस फेस्टिवल के एक हिस्से जिसमे सम्मेलन होना है को सहायता देने में अपनी रूचि दिखा रहे हैं। इस बाबत संस्था इस इंडिया फ़ाउंडेशन फॉर दि आर्ट्स, बेंगालूरू को पुनः प्रस्ताव पत्र प्रेषित करने में कार्यरत है । संस्था आशा करती है कि अक्टोबर -2015 में यह उत्सव शुरू हो भारत के रंगमंच कि एक नयी दिशा में अवश्य सफल होगा ।

वर्ष -2014-15 के कार्यक्रमों का दस्तावेजीकरण

संस्था के पूरे वर्ष 2014-15 के कार्यक्रमों का विस्तृत दस्तावेजीकरण चल रहा है । एवं इसके एनुयल रिपोर्ट कि यह प्रति तैयार कर ली गयी है। एवं इसकी प्रथम प्रिट कॉपी संस्कृति मंत्रालय को सैलरी ग्रांट के प्रथम किश्त के यूटीलाइज़ेशन सेर्टिफिकेट के साथ संलग्न कर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुत कि जा रही है।

वर्ष 2014-15 का अकाउंट समेकन

वर्ष 2014-15 के लिए पूरे कार्यक्रम वर्ष में हुए खर्चे एवं इसकी प्राप्ति का सम्पूर्ण एवं विस्तृत लेखा विवरण संस्था प्रस्तुत कर इस रिपोर्ट को सबसे साझा कर रही होगी ।

वर्ष 2014-15 की विस्तृत योजना एवं मूल्यांकन

वर्ष 2015-16 की योजना

दृश्यावली जिसका अङ्ग्रेज़ी अनुवाद अभ्यास में है का दृश्य नीचे साझा किया जा रहा है :

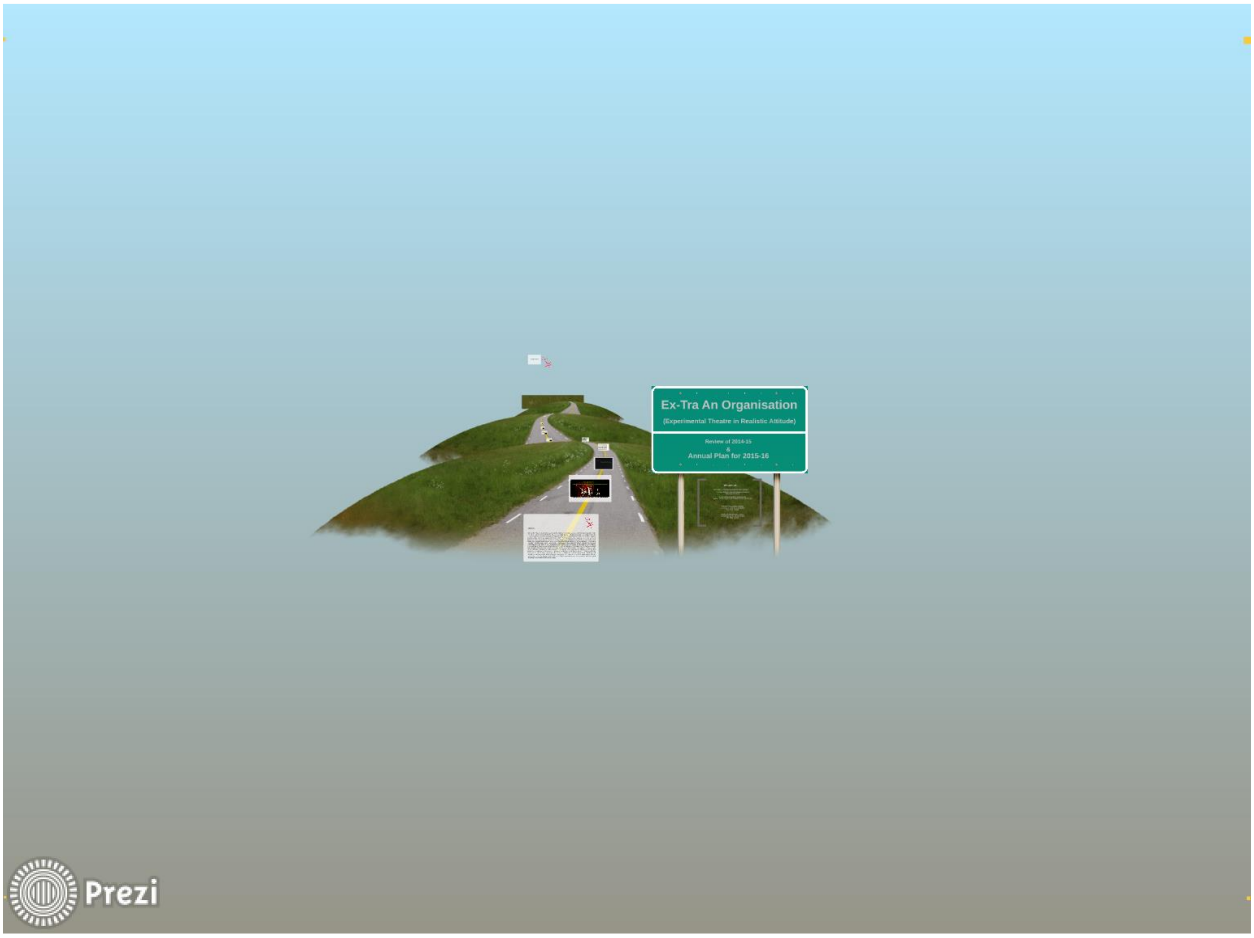

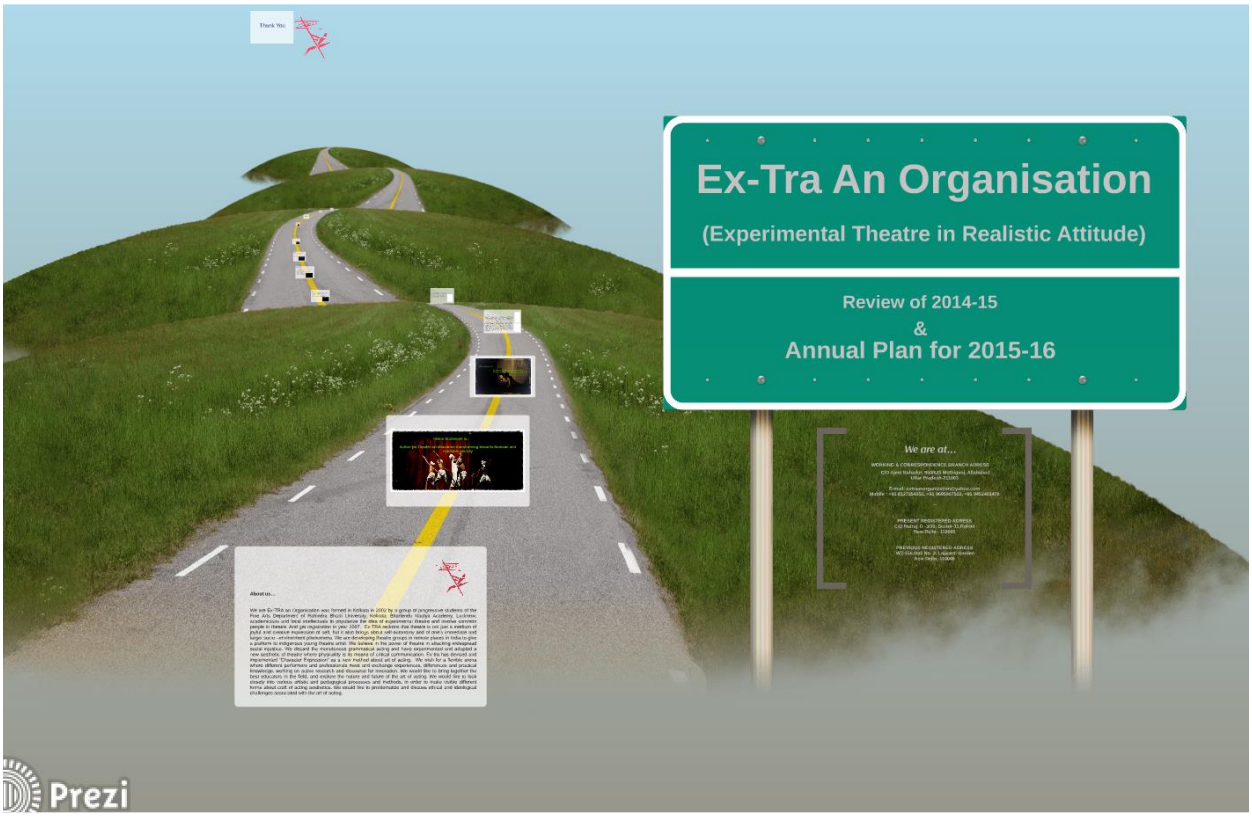
Ex-Tra An Organisation
(Experimental Theatre in Realistic Attitude)
Review of 2014-15
&
Annual Plan for 2015-16
We are at...
Prezi

Ex-Tra An Organisation
(Experimental Theatre in Realistic Attitude)
Review of 2014-15
&
Annual Plan for 2015-16
Prezi
We are at...

We are at...
WORKING & CORRESPONDENCE BRANCH ADRESS
C/O Ajeet Bahadur, 950/625 Muthiganj, Allahabad
Uttar Pradesh-211003
E-mail: extraanorganization@yahoo.com
Mobile : +91 8127254051, +91 9695907532, +91 9452401478

PRESENT REGISTERED ADRESS
C/O Natraj, D -3/20, Sector-11,Rohini
New Delhi– 110085
PREVIOUS REGISTERED ADRESS
WZ-156,Gali No. 2, Lajwanti Garden
New Delhi -110046

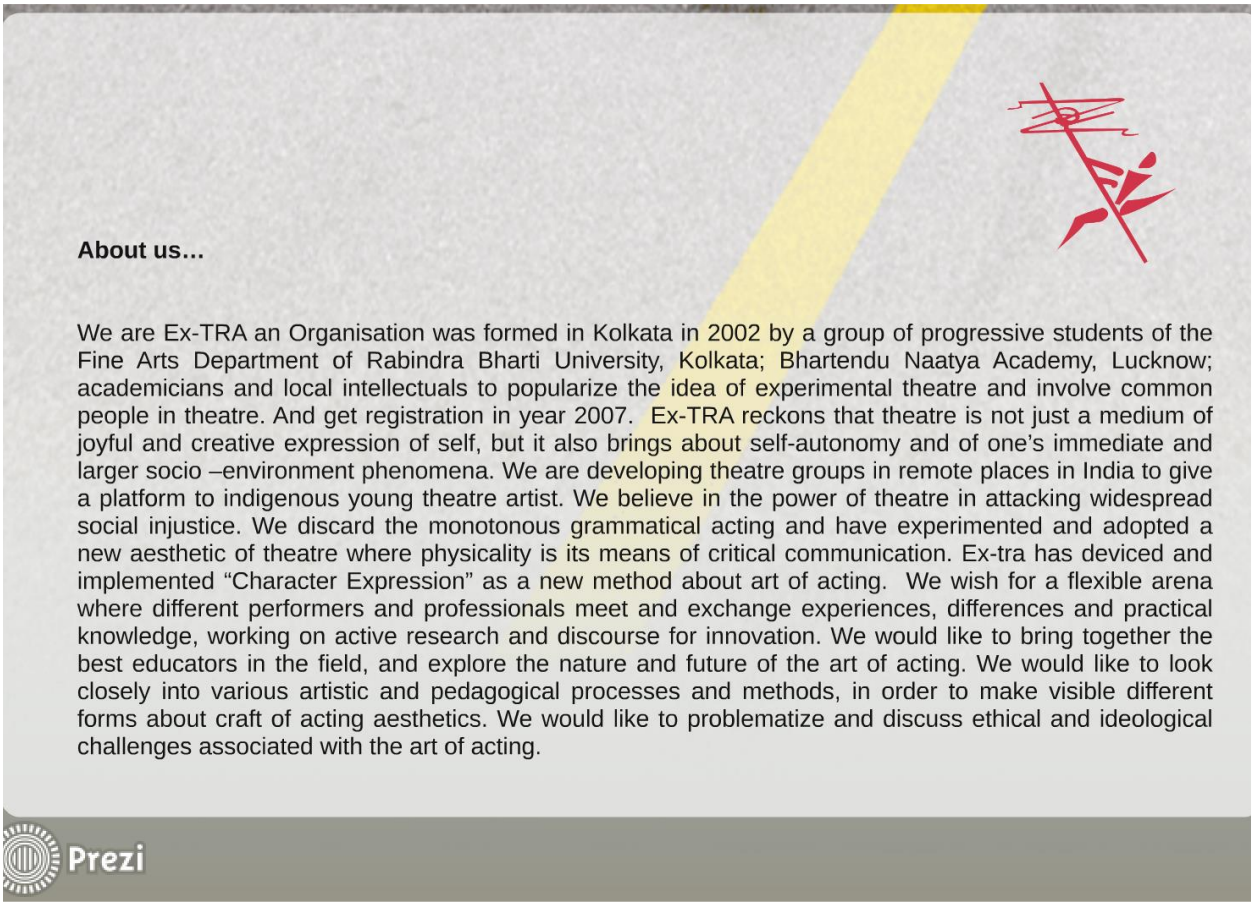
About us…
We are Ex-TRA an Organisation was formed in Kolkata in 2002 by a group of progressive students of the Fine Arts Department of Rabindra Bharti University, Kolkata; Bhartendu Naatya Academy, Lucknow; academicians and local intellectuals to popularize the idea of experimental theatre and involve common people in theatre. And get registration in year 2007. Ex-TRA reckons that theatre is not just a medium of joyful and creative expression of self, but it also brings about self-autonomy and of one's immediate and larger socio –environment phenomena. We are developing theatre groups in remote places in India to give a platform to indigenous young theatre artist. We believe in the power of theatre in attacking widespread social injustice. We discard the monotonous grammatical acting and have experimented and adopted a new aesthetic of theatre where physicality is its means of critical communication. Ex-tra has deviced and implemented "Character Expression" as a new method about art of acting. We wish for a flexible arena where different performers and professionals meet and exchange experiences, differences and practical knowledge, working on active research and discourse for innovation. We would like to bring together the best educators in the field, and explore the nature and future of the art of acting. We would like to look closely into various artistic and pedagogical processes and methods, in order to make visible different forms about craft of acting aesthetics. We would like to problematize and discuss ethical and ideological challenges associated with the art of acting.
Prezi

PPT presentation

On

Annual Progress & Review of 2014-15

&

Annual Action Plan for 2015-16

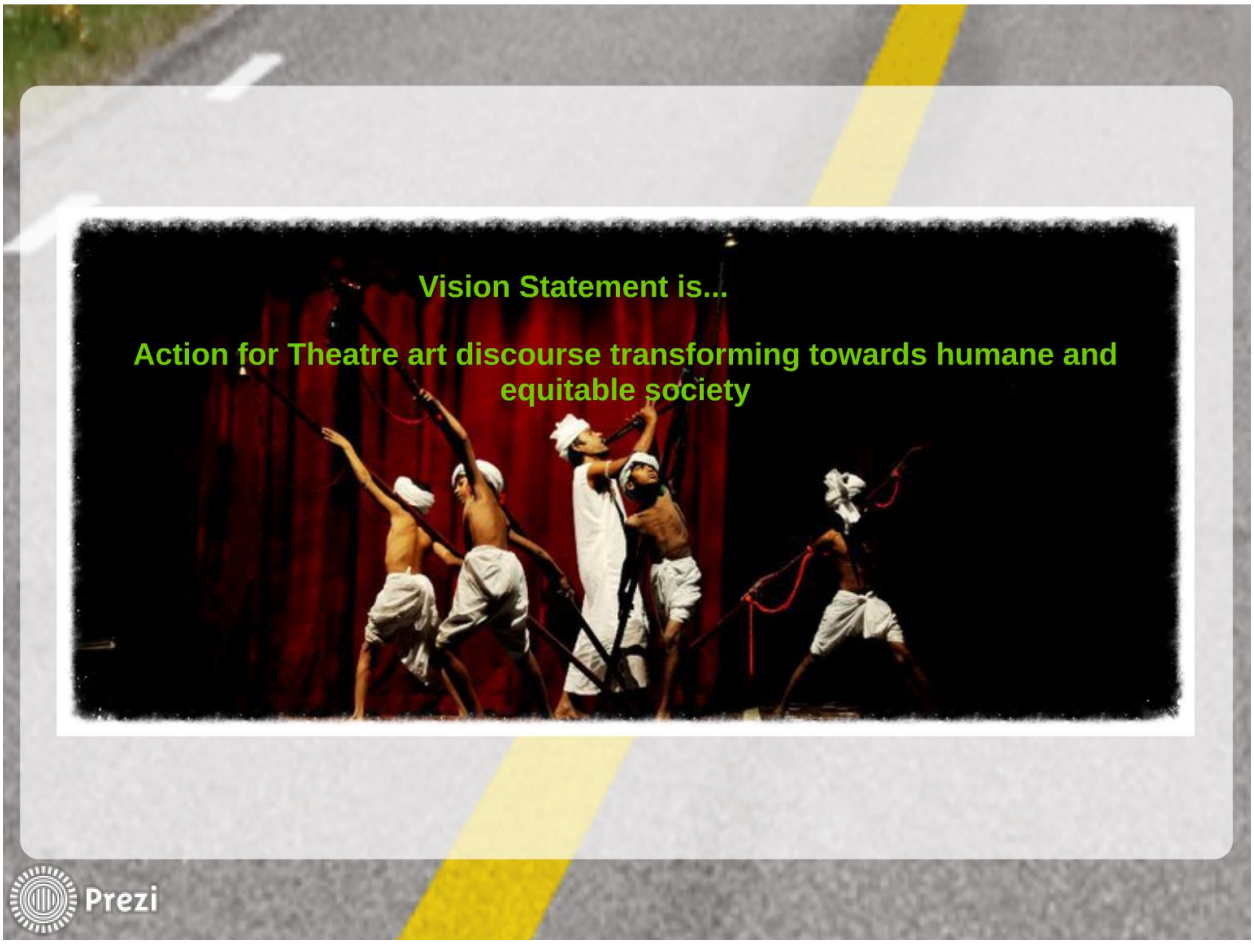
Vision Statement is...
Action for Theatre art discourse transforming towards humane and equitable society
Prezi

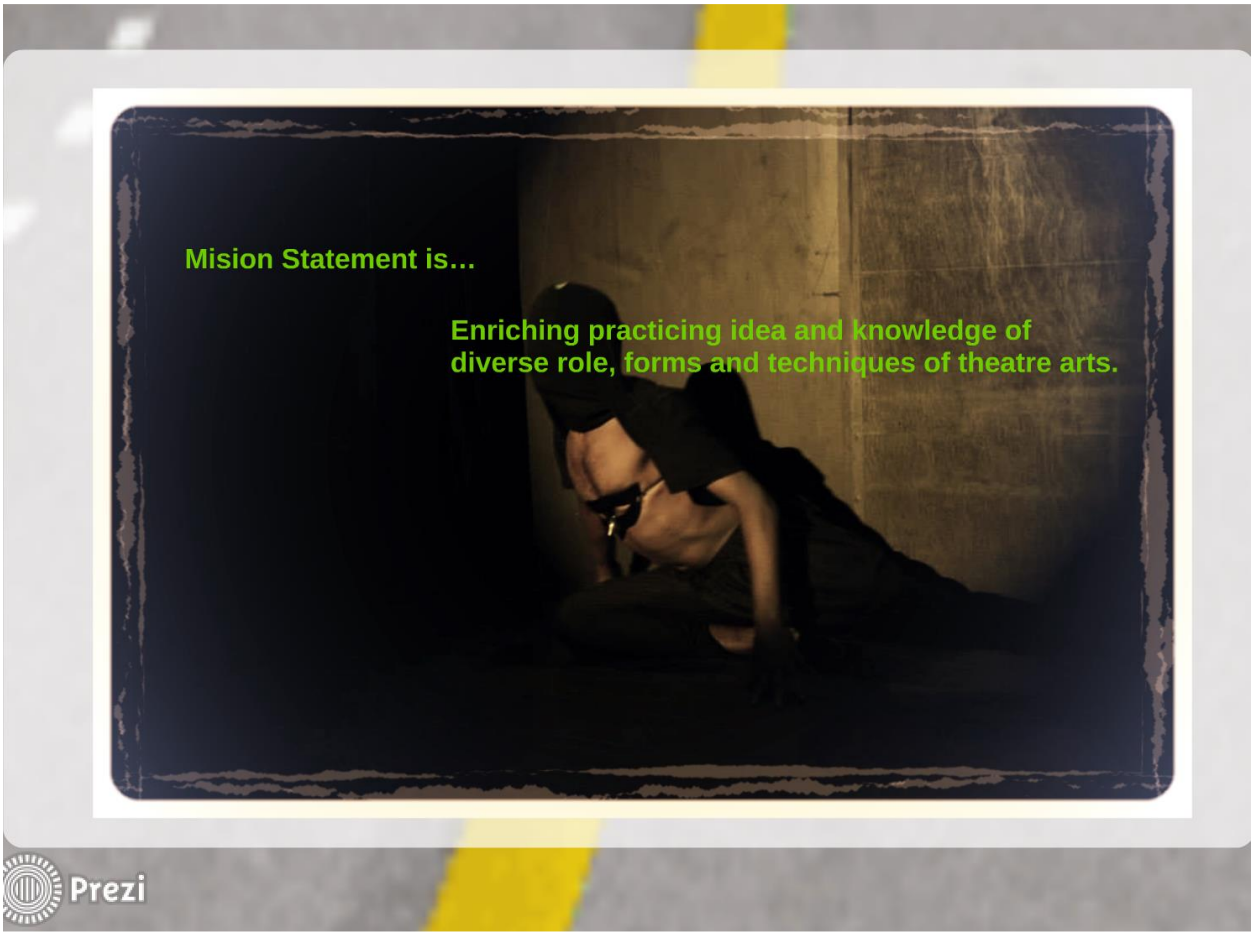
Mision Statement is…
Enriching practicing idea and knowledge of diverse role, forms and techniques of theatre arts.
Prezi

Summary of Plan 2014-15

In year 2014-15 we focused on the mainly four high intensity. We realized about segment basis capacity building of team member towards India based multiple discipline of acting. And after multiple exposure through trainings and workshops from outside our working geography, these team members participated in construction of play 'Secrete Deadlock' with constructing direction of Rajkumar and script developed by the participated team members of the play as well as organization functionaries in Allahabad (UP), This play has premier in Tonk (Raj) in month of August-2014 and replica of it in Allahabad by month of September-2014. This play is constructed in a residential theatre workshop in Allahabad and Tonk. We constructed 'Secrete Deadlock' in three months from July-September-2014 with two shows. In this year we had also great experience with the play of Uday Prakash's Ramsajeewan ki Premkatha at India Habitat Centre- New Delhi under the direction of Natraj Hasrat collaboration with Kaivalya Plays in 21st November-14. And like previous production process; we invited many other actors from Jaipur about constructing play 'Gagan Damama Bajyo' of Piyush Mishra. We heartily invited to Abhishek Goswami for the direction of this play in Jaipur and also collaboration with Jawahar Kala Kendra , 'Gagan Damama Bajyo' has prestigious premier in Jawahar Kala Kendra in order to two days performance of this play in month of December-2014. This play also taken three months of whole constructing and rehearsal process from moth October-December-2014.

In this calendar we designed a multi phase's festival and conference in different venues (Kolkata, Allahabad, Jaipur & Bikaner) of the nation. Festival scheduled in month of March -2015; after many rigorous planning and mental exercise we decided about extended the schedule of the festival due to who our festival partners are want to involve in this whole process and Programme for country wide spreading this idea.

Review of 2014-15
We discussing here about the detail review of the calendar 2014-15. This calendar is also very energetic and strengthen going on because we finally got support from the culture ministry, Govt of India for our repertory grant with five artist and one guru. According our commitment and process of objective achieving is more qualitative about our theatre art work through the support of Culture ministry. We achieve whole plan of this calendar less than festival cum conference plan only.
नाटक 'गगन दमामा बाज्यो' के दूसरे दिन का शो
आधुनिक संदर्भों में देखा गुरुवाणी का संदेश
नाटक से मिला संदेश
Prezi

Plan which are achieved

I. Three month production basis Residential theatre workshop including two venues Allahabad and Tonk under title of production secret deadlock.

II. Three month production constructing workshop with direction of eminent theatre director of Jaipur in collaboration with Jaipur's actor under the title of the play Gagan Damama Bajyo.

III. We got technical collaboration with Jawahar Kala Kendra for the play Gagan Damama Bajyo.

IV. We realize more qualitative plan exercise for next calender-2015-16.

Strategies of year 2014-15

I. Three month production basis Residential theatre workshop including two venues Allahabad and Tonk.

II. Three month production constructing workshop.

III. Invite as a consulting director of the play Gagan Damama Bajyo

IV. Individual Actor collaboration from Jaipur about the play Gagan Damama Bajyo

V. collaboration with Jawahar Kala Kendra for Production Gagan Damama Bajyo

VI. Capacity building of team members towards multi disciplines of acting which based in India.

VII. Tangible and non-tangible documentation for Knowledge recourse of organization.

Prezi

Challenges

I. Frequency of reaching ourselves in children community

II. Storytelling camp's low frequency in this calendar

III. Members quantity is low as our Programme frequencies

IV. Festival cum conference schedule is delay about outside support for this Programme.

Prezi

Learning

I. We reach the number of team members

II. We expend more time in layer wise plan micro planning for next year

III. We also develop modules for workshop about culture policies of India and as well as UNESCO for our team members about strengthen the idea behind our constitution who spreading universal dialogue for humane society.

Team strength of year 2014-15

Artistic salary paid under salary grant of Culture ministry Govt of India

1 Ajeet Bahadur	Guru	M	Artistic Director & Actor
2 Arvind Jodha	Artist	M	Art Designer & Actor
3 Anjali Shekhawat	Artist	F	Actor & Digital editor
4 Natraj Hasrat	Artist	M	Actor
5 Raina Raha	Artist	F	Actor
6 Veerbhan Kol	Artist	M	Actor

Artist who are unpaid

1 Rajkumar Rajak	Artist	M	Production Designer
2 Kaushik Podder	Artist	M	Choreographer & Actor
3 Arijit Sen	Artist	M	Actor
4 Arati Bedi	Artist	F	Actor
5 Meghraj Saini	Artist	M	Actor
6 Chowthmal	Artist	M	Musician

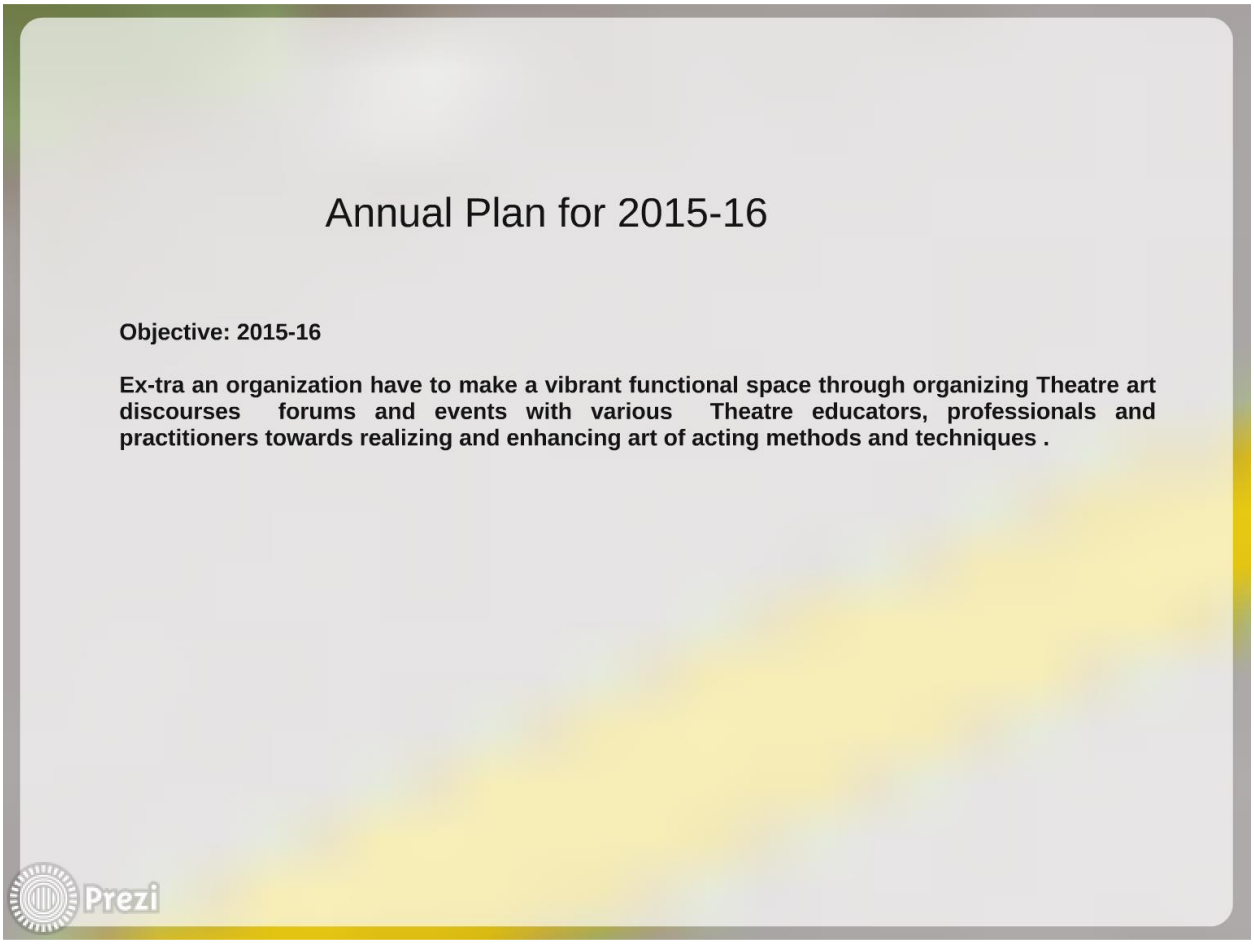
Annual Plan for 2015-16
Objective: 2015-16
Ex-tra an organization have to make a vibrant functional space through organizing Theatre art discourses forums and events with various Theatre educators, professionals and practitioners towards realizing and enhancing art of acting methods and techniques .
Prezi

Plan summary of 2015-16

In this calendar 2015-16 we mainly focused on the engaging team members in contemporary discourses on art of acting in multidisciplinary way with the flagging issue of “Identities of Theatre” (Rangmanch ki Asmitayein). According the objectives we scheduling Conference and festival in one equilibrium venue of the Kolkata, Allahabad and Jaipur; and about this rigorous Programme we searching supports for it. One of organization IFA they showing their interest accordingly.

Three production will also constructing in this calendar. This play will directed through internal and external faculties of theatre arts.

We also try to share our idea towards member adding concept for salary basis involvement in our organization to Culture Ministry Govt of India.
In this year we start our knowledge recourse archive for open access, and developing our respective website for functioning these internet concern knowledge resources facilities from us for all.

Prezi

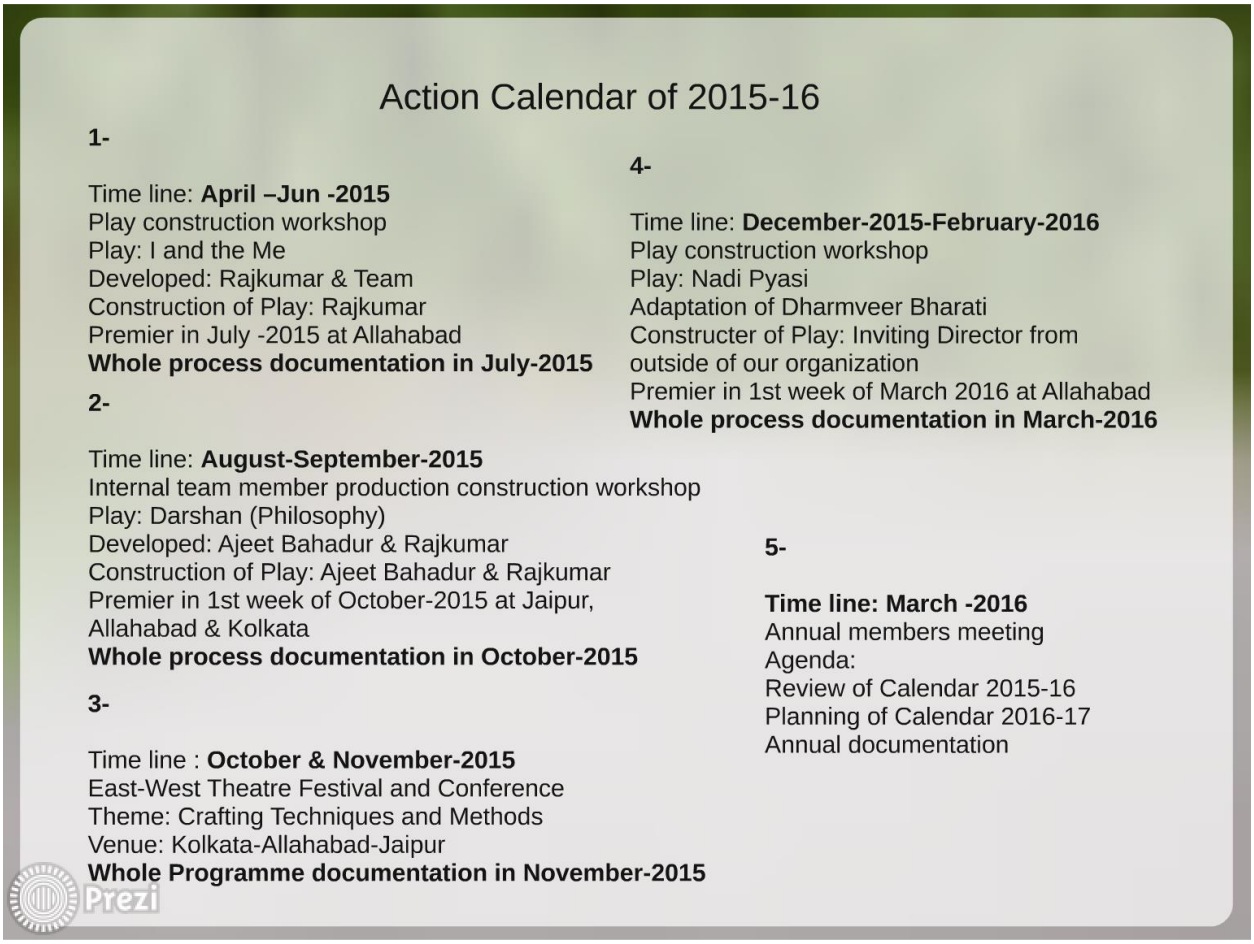

Action Calendar of 2015-16
1-
Time line: April –Jun -2015
Play construction workshop
Play: I and the Me
Developed: Rajkumar & Team
Construction of Play: Rajkumar
Premier in July -2015 at Allahabad
Whole process documentation in July-2015
2-
Time line: August-September-2015
Internal team member production construction workshop
Play: Darshan (Philosophy)
Developed: Ajeet Bahadur & Rajkumar
Construction of Play: Ajeet Bahadur & Rajkumar
Premier in 1st week of October-2015 at Jaipur, Allahabad & Kolkata
Whole process documentation in October-2015
3-
Time line : October & November-2015
East-West Theatre Festival and Conference
Theme: Crafting Techniques and Methods
Venue: Kolkata-Allahabad-Jaipur
Whole Programme documentation in November-2015
4-
Time line: December-2015-February-2016
Play construction workshop
Play: Nadi Pyasi
Adaptation of Dharmveer Bharati
Constructer of Play: Inviting Director from outside of our organization
Premier in 1st week of March 2016 at Allahabad
Whole process documentation in March-2016
5-
Time line: March -2016
Annual members meeting
Agenda:
Review of Calendar 2015-16
Planning of Calendar 2016-17
Annual documentation
Prezi

रिपोर्ट प्रस्तुतकर्ता

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन

Working and correspondence Address:

C/O Ajeet Bahadur, 950/625, Mutthiganj, Allahabad,

Uttar Pradesh-211003

Mo: +91 8127254051, +91 9452401478, +91 9695907532

E-mail: extraanorganization@yahoo.com